✓ प्रयोजनवाद:- "प्रयोजनवाद हमें अर्थ का सिद्धान्त, सत्य का सिद्धान्त, ज्ञान का सिद्धान्त और वास्तविकता का सिद्धान्त देता है।" - पैट

✓ प्रयोजनवाद के रूप :- (i) मानवतावादी प्रयोजनवाद
(ii) प्रयोगात्मक प्रयोजनवाद
(iii) जीवशास्त्रीय प्रयोजनवाद

✓ प्रयोजनवाद के सिद्धान्त व विशेषतायें :-
① सत्य की परिवर्तनशील प्रकृति
② सत्य का निर्माण उसके फल से होता है
③ उपयोगिता के सिद्धान्त पर बल
④ लचीलेपन में विश्वास
⑤ सामाजिक तथा जनतान्त्रिक दृष्टिकोण में विश्वास
⑥ वर्तमान तथा भविष्य में विश्वास।
⑦ सामाजिक परम्पराओं का विरोध
⑧ क्रिया का महत्व
⑨ मानव की शक्ति का महत्व।

✓ प्रयोजनवाद तथा शिक्षा के गुण :- ① प्रोजेक्ट पद्धति
② बालक का महत्व
③ क्रिया पर बल
④ व्यवहारिक जीवन पर बल
⑤ सामाजिक एवं जनतंत्रीय शिक्षा
⑥ शिक्षा से नये जीवन का संचार
⑦ प्रगतिशील एवं आशावादी दृष्टिकोण

✓ प्रयोजनवाद की उत्पत्ति ग्रीक शब्द Pragma (क्रिया गया कार्य) या Pragmatikos (Pragmatikos) (उपयोगिता) से मानी जाती है।

✓ प्रकृतिवाद - प्रकृतिकेन्द्रित, आदर्शवाद - मनकेन्द्रित
प्रयोजनवाद - मानवकेन्द्रित।

✓ प्रयोजनवाद का विकास 1876 में जेम्स, शिलर ने किया।

✓ प्रयोजनवाद के अन्य नाम :- (i) उपयोगितावाद (ii) व्यवहारिकतावाद
(iii) फलवाद (iv) प्रयोगवाद

✓ प्रयोजनवाद का नारा है - परिवर्तन।

✓ प्रयोजनवादी पाठ्यक्रम के सिद्धान्त :- उपयोगीता, लचीला, रुचि एकीकरण, क्रियाप्रधान, अनुभव, गतिशील जीवन से सम्बन्धित, व्यवहारिकतावादी

✓ डीवी के अनुसार बालक की रुचियां चार होती हैं - बातचीत या विचार, खोज कलात्मक, रचनात्मक

Scanned with CamScanner